Delhi Public School, Howrah

PERIODIC ASSESSMENT-I (2024-2025)

Class-X

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - अ (002)

अवधि:- 1 घंटा 30 मिनट **कुल अंक- 40**

सामान्य निर्देश :-

I. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

II.चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

III. लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए ।

(खंड-क, अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1X5=5

सफलता प्राप्त करने के लिए जिन गुणों और वृत्तियों का होना आवश्यक है, वे हैं - परिश्रम, प्रसन्नता, पवित्रता और प्रेम। कहा गया है कि काम में ही भगवान की भक्ति है। इसका अभिप्राय यह है कि जब हम काम में लीन होते हैं और अपने आस-पास की सभी वस्तुओं के बारे में भूल जाते हैं, तभी काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है। यह भी आवश्यक है कि परिश्रम या काम निस्स्वार्थ भाव से अर्थात बिना फलप्राप्ति की इच्छा से किया जाना चाहिए। गीता का सर्वप्रसिद्ध श्लोक 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' इसी सत्य का द्योतक है। हम काम अथक अथवा निर्बाध भाव से इस प्रकार करें, जिस प्रकार सरिता या नदी हर मौसम में बिना विश्राम किए अपने मार्ग के पत्थरों को काटती हुई चलती जाती है। जीवन में संघर्ष, बाधाएँ आती रहती हैं, पर धैर्यवान व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहता है। प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय, चिंता या दुख के अपने काम में प्रसन्नतापूर्वक जुटे रहना तथा अपने मस्तिष्क को सदैव शांत रखना ही स्वस्थ रहने की कुंजी है। सफलता का एक अन्य रहस्य है-पवित्रता। हमें अपने विचारों को पवित्र रखना चाहिए। सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर अपने साथियों के सुख-दुख में उनका साथ देते हुए निर्भय होकर अपने सार्वभौमिक प्रेम का परिचय देना, सफलता का अन्य महत्त्वपूर्ण रहस्य है। सभी को अपना समझना, उनका यथोचित सम्मान करते हुए, ऊँच-नीच की भावना का त्याग करते हुए, अपने पथ पर बढ़ते रहना ही सफलता का कारण है।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न-

I. 'क्रर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' यह श्लोकांश कहाँ से लिया गया है?

(क) रामायण से (ख) उपनिषद् से

(ग) शिवपुराण से (घ) गीता से

II. हमें अपने विचारों को कैसा रखना चाहिए?

(क) सीमित (ख) विस्तृत

(ग) पवित्र (घ) निर्भय

III. गद्यांश के अनुसार हमें कौन-सी भावना का त्याग करना चाहिए?

(क) अपने-पराये की (ख) सुख-दुख की

(ग) ऊँच-नीच की (घ) जय-पराजय

सोपान II. अति लघु प्रश्न-

IV.गद्यांश के अनुसार प्रसन्न रहने की कुंजी क्या है?

V. गद्यांश में 'सरिता' या 'नदी' के उदाहरण से क्या प्रेरणा दी गई है?

अपठित काव्यांश

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1X5=5

देशप्रेम के ओ मतवालो, उनको भूल न जाना।
महाप्रलय की अग्नि साध, लेकर जो जग में आए,
विश्व बली शासन के भय, जिनके आगे मुरझाए।
चले गए जो शीश चढ़ाकर, अर्ध्य लिए प्राणों का,
चलें मज़ारों पर हम उनके आज प्रदीप जलाएँ।
टूट गईं बंधन की कड़ियाँ, स्वतंत्रता की वेला,
लगता है मन आज हमें, कितना अवसन्न अकेला ।

पंथ चिरंतन बलिदानों का, विप्लव ने पहचाना,
देशप्रेम के ओ मतवालो, उनको भूल न जाना ।
जीत गए हम, जीता विद्रोही अभिमान हमारा,
प्राणदान विक्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा ।
उदित हुआ रवि स्वतंत्रता का, व्योम उगलता जीवन,
आज़ादी की आग अमर है, घोषित करता कण-कण।
कलियों के अधरों पर पलते, रहे विलासी कायर,
उधर मृत्यु पैरों से बाँधे, रहा जूझता यौवन ।
उस शहीद यौवन की सुधि हम, क्षण भर को न बिसारें,
उसके पगचिह्नों पर अपने, मन के मोती वारें।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न-

I. 'मज़ारों पर हम उनके आज प्रदीप जलाएँ' का आशय है-

(क) उनका गुणगान करना (ख) उनको श्रद्धांजलि देना

(ग) उनकी पूजा करना (घ) उनका स्मरण करना

II. 'जीत गए हम' से किसकी ओर संकेत किया गया है?

(क) देश के निवासियों की ओर (ख) देश के नवयुवकों की ओर

(ग) देशप्रेम के दीवानों की ओर (घ) देश के नेताओं की ओर

(III) 'उधर मृत्यु पैरों से बाँधे, रहा जूझता यौवन' का तात्पर्य है-

(क) युवाजन मृत्यु से डरकर लड़खड़ाते रहे

(ख) नवयुवक विलासिता के कारण डगमगाते रहे

(ग) अनेक देशवासी निर्भय भाव से आज़ादी के गीत गाते रहे

(घ) देशप्रेमी नवयुवक निडर होकर मृत्यु से लड़ते रहे

सोपान II. अति लघु प्रश्न-

IV. किसकी कड़ियाँ टूट गई हैं?

V. विश्वबली शासन का भय किनके सामने नष्ट हो गया ?

(खंड-ख, व्याकरण)

3. निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए- **1X4=4**

क) वह सवेरे उठते ही नहा-धोकर मंदिर चला जाता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

ख) वह कार तेज़ी से आकर खंभे से टकरा गई। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ग) वह बहुत प्रतिभाशाली है और पुरस्कार प्राप्त करके ही रहेगा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

घ) मेरे पास एक तरकीब है, जो आपकी समस्या का समाधान कर सकती है। (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

4. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए- **1X4=4**

क) नवाब साहब ने बहुत यत्न से खीरा काटा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

ख) चोट के कारण वह बेचारा उठ भी नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

ग) मेरे द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

घ) पान वाले ने यह रहस्य बता दिया था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(खंड-ग, पाठयपुस्तक)

5. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

क) "मोह और प्रेम में अन्तर होता है।" भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे ?

ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकण्डे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?

ग) "हालदार साहब संवेदनशील तो थे ही साथ-ही-साथ देश के प्रति भी सच्ची श्रद्धा रखते थे।" सिद्ध कीजिए।

6. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग शब्दों में लिखिए- 2X2=4

क) "साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है।" इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

ख) गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए।

ग) समसामयिक प्रेम और भक्ति को परिभाषित कीजिए।

7. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किन्हीं एक के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- 4X1=4

क) 'माता का आँचल' पाठ में बच्चों की दिनचर्या आजकल के बच्चों की दिनचर्या से भिन्न है, कैसे? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

ख) 'माता का अँचल' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(खंड-घ, रचनात्मक लेखन)

8. जब-तब बिजली की आपूर्ति ठप्प हो जाने से हो रही कठिनाई को दूर करने के अपेक्षित उपाय करने के लिए बिजली बोर्ड अधिकारी को पत्र लिखिए । 5X1=5

अथवा

अखिल भारतीय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता मित्र को एक बधाई-पत्र लिखिए ।

9. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- **5X1=5**

क) जहाँ सुमति तहँ संपति नाना

संकेत बिंदु - पंक्ति का तात्पर्य, मनुष्य विवेकशील प्राणी, उचित-अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता, सुमति व कुमति में अंतर, सुमति से समाज में प्रतिष्ठा, सुमति से प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय, सुमति से संपत्ति की प्राप्ति, कुमति से दुर्गुणों का समावेश, तुलसीदास की पंक्तियों की सार्थकता, निष्कर्ष।

ख) प्रथम सुख नीरोगी काया

संकेत बिंदु - मानव सब प्राणियों से श्रेष्ठ, नीरोगी काया से ही जीवन संभव, स्वस्थ शरीर द्वारा ही सांसारिक कार्य, स्वास्थ्य सच्चा धन, नीरोगी काया से सुखद जीवन की प्राप्ति, बुरे व्यसनों से अनेक रोग, लोगों की मानसिकता, स्वस्थ शरीर के लिए योग एवं व्यायाम आवश्यक ।

ग) पर उपदेश कुशल बहुतेरे

संकेत बिंदु - सूक्ति का अर्थ, उपदेशकों की बहुलता, वर्तमान मानसिकता, कथनी एवं करनी में अंतर, विभिन्न उदाहरण, गांधीजी के विचार व व्यवहार में समानता, चरित्रवान की कथनी व करनी एक जैसी, निष्कर्ष ।